(संवाददाता/प्रतिनिधि/अभिलेखागार)

नमूनों में सीसे की मात्रा तय मानकों से कम पाई गई, लेकिन कुछ गाँवों में कैडमियम की मात्रा सीमा के करीब दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति भविष्य में गंभीर खतरा बन सकती है। इसी आधार पर जिला प्रशासन ने सभी प्रभावित गाँवों में पीने के पानी के स्रोतों पर अस्थायी रोक लगाने का निर्णय लिया है।

जिला मुख्यालय पर आयोजित एक बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि प्रभावित परिवारों को वैकल्पिक पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा और स्वास्थ्य विभाग को निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि अगले चरण में 160 नमूनों का और परीक्षण किया जाएगा ताकि प्रभावित क्षेत्र का सही दायरा तय किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार रिपोर्ट आने तक ग्रामीणों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

(संवाददाता/प्रतिनिधि/अभिलेखागार)

मंगलवार, 11 मई 2025 ई. को प्रकाशित समाचार विश्लेषण

पश्चिमी मेघालय के कई गाँवों में पानी की गुणवत्ता जाँच पर केन्द्रित 110 लोगों के नमूनों में भारी धातुओं की मौजूदगी दर्ज

जिला मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जाँच किए गए 110 नमूनों में से लगभग 20 प्रतिशत में सीसे की मात्रा निर्धारित मानकों से अधिक पाई गई है। कैडमियम की मात्रा 4 गाँवों के नमूनों में दर्ज की गई है, जबकि 20 प्रतिशत नमूनों में लोहे की मात्रा भी तय सीमा से अधिक है। यह आँकड़ा पिछले वर्ष किए गए सर्वेक्षण की तुलना में लगभग दोगुना है, जिससे स्थानीय स्तर पर चिंता बढ़ी